नईदुनिया

न्यूज ब्रीफ

निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली।

निफ्टी मंगलवार को लगातार तीसरे सत्र में 0.14 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 22,368 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के डिप्टी हेड रिटेल रिसर्च देवर्ष वकील का कहना है कि हाल ही में 21,777 अंक के निचले स्तर से निफ्टी 670 अंक ऊपर आ गया है। उन्होंने कहा, भारतीय बाजार ने आखिरी घंटे की बिकवाली में दिन का अधिकांश लाभ गंवा दिया और लगातार तीसरे सत्र में मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 सूचकांकों ने निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन किया, और उनमें क्रमशः 1.06 प्रतिशत और 1.23 प्रतिशत की बढ़त रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स ने 16,702 अंक के साथ एक नया सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया। लगातार दूसरे दिन बढ़त वाले शेयरों की संख्या गिरावट वाले शेयरों से अधिक रही। उन्होंने कहा कि निफ्टी में रियलिटी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टरों में सबसे ज्यादा तेजी रही, जबकि फार्मा, हेल्थकेयर और तेल एवं गैस में सबसे ज्यादा गिरावट आई। सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में मजबूती के कारण अप्रैल में देश की आर्थिक गतिविधियों का विस्तार जारी रहा। फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च की अंतिम रीडिंग 61.8 की तुलना में अप्रैल में 62.2 पर पहुंच गई।

असित सी मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स के एवीपी (टेक्निकल एंड डेरिवेटिव्स रिसर्च) नीरज शर्मा ने कहा कि मजबूत वैश्विक बाजार रुझानों से उत्साहित घरेलू इक्विटी बेंचमार्क में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन वृद्धि जारी रही। अस्थिरता सूचकांक, भारत वीआईएक्स, 19.72 प्रतिशत गिरकर 10.20 पर आ गया, जो बाजार में कम अस्थिरता का संकेत देता है।

सेफ्टी के मामले में फिसड्डी निकली महिंद्रा की ये एसयूवी, ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में मिली 1-स्टार रेटिंग

नई दिल्ली।

महिंद्रा बोलेरो नियो कॉम्पैक्ट एसयूवी को ग्लोबल एनसीएपी के भारत के लिए सेफ कार प्रोग्राम के तहत क्रैश टेस्ट के लेटेस्ट ट्रेंड में एडल्ट और चाइल्ड सेफ्टी दोनों में 1-स्टार रेटिंग मिली है। जिस एसयूवी को टेस्ट किया गया था, उसमें स्टैंडर्ड तौर पर केवल दो एयरबैग लगे थे और कई पैरामीटर्स पर इसे कम रेटिंग मिली है। ग्लोबल एनसीएपी के अनुसार, बोलेरो नियो को लेटेस्ट प्रोटोकॉल के तहत टेस्ट किया गया है और इसे अधिकतम 34 में से 20.26 अंक मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसयूवी का स्ट्रक्चर और फुटवेल एरिया अस्थिर है, और इसके आलावा, इसमें चालक के लिए कमजोर चेस्ट और लेग सेफ्टी भी मिली। बोलेरो नियो सभी यात्रियों के लिए कर्टेन एयरबैग या सीट बेल्ट रिमाइंडर से लैस नहीं है। जहां तक चाइल्ड पैसेंजर सेफ्टी की बात है, तो बोलेरो नियो ने अधिकतम 49 अंकों में से 12.71 अंक प्राप्त किए। सभी यात्रियों के लिए 3-प्वाइंट सीट बेल्ट की कमी, यात्री एयरबैग स्विच की कमी और केवल एक चाइल्ड रेस्ट्रेंट सिस्टम (सीआरएस) के कारण इस एरिया में कम स्कोर मिले, भले ही चाइल्ड प्रोटेक्शन ने ''एक्सेप्टेबल मोबिलिटी परफॉर्मेंस'' दिखाया हो। बोलेरो नियो के लिए कम रेटिंग का एक और कारण साइड-फेसिंग थर्ड-रो सीटों की मौजूदगी है। जबकि महिंद्रा ने स्कॉर्पियो एन, एक्सयूवी700 और एक्सयूवी300 एसयूवी जैसे अपने प्रॉडक्ट्स के लिए अच्छी रेटिंग हासिल की है, लेकिन बोलेरो की कम रेटिंग आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि यह एक पुराने प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है। बोलेरो नियो एक अपडेटेड टीयूवी300 एसयूवी है और इसे दो साल के भीतर एक नए प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट किया जाएगा। बोलेरो नियो के अलावा, ग्लोबल एनसीएपी ने इस इवेल्यूएशन ट्रेंड में होंडा अमेज और किआ कैरेंस एमपीवी को भी टेस्ट किया गया है। सुरक्षा एजेंसी ने यह भी घोषणा की कि ये टेस्टिंग भारत के लिए सुरक्षित कारों के अभियान के अंतिम परीक्षणों में से हैं क्योंकि भारत एनसीएपी अब पूरी तरह से एक्टिव हो गया है।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा

नई दिल्ली।

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपनी कस्टमर फीस में 25 फीसदी का इजाफा किया है। जोमैटो ने चुनिंदा बाजारों में अपनी प्लेटफॉर्म फीस को चार रुपये से बढ़ाकर पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है। यह बदलाव दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों पर लागू है। जोमैटो ने अगस्त 2023 में प्लेटफॉर्म फीस लगाना शुरू किया था। शुरुआत में यह प्रति ऑर्डर 2 रुपये था। फिर अक्टूबर में कंपनी ने अपने ज्यादातर प्रमुख बाजारों में फीस बढ़ाकर 3 रुपये कर दिया था। कंपनी के ऐप के मुताबिक, उसने अपनी अंतर-शहरी फूड डिलीवरी सर्विस 'इंटरसिटी लीजेंड्स' को भी रोक दिया है। जोमैटो के प्रवक्ता ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक कारोबारी कदम है। इन्हें हम समय-समय पर विभिन्न कारकों के आधार पर लेते हैं।' कंपनी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), बेंगलुरु, मुंबई, लखनऊ और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में लागू होगी। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त से प्रति ऑर्डर प्लेटफॉर्म फीस लेना शुरू किया था। उस समय यह दो रुपये प्रति ऑर्डर था। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर अब पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया गया है। इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्विगी पहले से ही प्रति ऑर्डर पांच रुपये का शुल्क लेती है। इसे समझने के लिए मुंबई में बर्गर की डलिवरी का उदाहरण लेते हैं।

सस्ता हो गया सोने का भाव! रिकॉर्ड हाई से रु.4500 गिरा रेट, अब आगे क्या है अनुमान?

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के खरीदारों के लिए अच्छी खबर है। दोनो के भाव में 23 अप्रैल को तेज गिरावट आई है। भारतीय और ग्लोबल मार्केट में सोने और चांदी के भाव गिर गए हैं। सोने का भाव तो रिकॉर्ड हाई से करीब 4500 रुपए तक फिसल गए हैं। चांदी भी 7000 रुपए तक गिर गई है। घरेलू वायदा में सोना-चांदी का आज भाव 700-800 गिरकर खुले। एमसीएक्स पर सोना 657 रुपए फिसलकर 70540 रुपए प्रति 10 ग्राम के पास ट्रेड कर रहा है। चांदी

भी करीब 700 रुपए गिरकर 79858 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 4,500 रुपए फिसल गया है। जबकि सोने ने इसी महीने 73,958 रुपए का ऑल टाइम हाई छुआ था। इसी तरह चांदी भी 86,126 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड हाई लेवल से 7000 रुपए तक फिसल गई है।

ग्लोबल मार्केट में सोना टूटा

ग्लोबल मार्केट में सोने का भाव गिर गया है। कॉमैक्स पर सोने का भाव 2320 डॉलर प्रति ऑन्स पर ट्रेड कर रहे। सोना एक दिन में 85 डॉलर लुढ़का है। बता दें कि रिकॉर्ड ऊंचाई से सोने का रेट 120 डॉलर गिर गया है।

क्यों गिर रहे सोने-चांदी का भाव?

बुलियन मार्केट के लिए बड़ा ट्रिगर जियो पॉलिटिकल टेंशन है, जोकि कम हो रहा है। सुरक्षित निवेश की खरीदारी थमने का भी दबाव है। सोने के भाव पर डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में मजबूती का भी असर है। बता दें कि 106 के पास डॉलर इंडेक्स 6 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया है। यूएस में ब्याज दरें घटने में देरी का दोहरा असर है। इसके अलावा लगातार 4 हफ्ते तेजी के बाद सोने में मुनाफावसूली देखने को मिल रही है।

सोने-चांदी पर ब्रोकरेज आउटलुक

एमिरेट्स एनबीडी ने कहा कि मौजूदा स्तर से सोना-चांदी 2% और गिरने की संभावना है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग ने सोने पर 69,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का टारगेट दिया। चांदी पर 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम का टारगेट दिया है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने कॉमैक्स पर सोने के 2240 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है। चांदी पर 26.40 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है।

कंपनी का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 18,951 करोड़ रुपए रहा।

रिलायंस का मुनाफा ₹1 लाख करोड़ के पार पहुंचा

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का टैक्स से पहले का मुनाफा 1 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। रिलायंस ऐसा करने वाली पहली भारतीय कंपनी है। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 (अप्रैल 2023- मार्च-2024) में 10 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड सालाना आय दर्ज की है। रिलायंस ने 22 अप्रैल को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी के बोर्ड ने प्रति शेयर 10 रुपए के डिवेडेंड (लाभांश) को भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

चौथी तिमाही में सालाना आधार पर मुनाफा घटा, तिमाही आधार पर बढ़ा

कंपनी का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 18,951 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 19,299 करोड़ रहा था। यानी, पिछले साल की तुलना में मुनाफा 2% कम हुआ है। वहीं पिछली तिमाही यानी द3ऋ24 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 17,265 करोड़ रुपए रहा था। इससे पता चलता है कि तिमाही आधार पर मुनाफे में 10% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

चौथी तिमाही में आय 2.37 लाख करोड़ रही, सालाना आधार पर 11% बढ़ी

ऑपरेशंस से चौथी तिमाही में कंपनी की आय 2.37 लाख करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 2.13 लाख करोड़ रुपए रही थी। यानी, सालाना आधार पर आय 11% बढ़ी है। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी की आय 2.25 लाख करोड़ रुपए रहा था। यानी, तिमाही आधार पर आय में 5.33% की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी के चार मेन सेगमेंट है- ऑइल टू केमिकल, ऑयल एंड गैस, रिटेल, और जियो। यहां हम एक-एक कर सभी का परफॉर्मेंस बता रहे हैं...

1. रिलायंस जियो: ऐवरेज रेवेन्यू/यूजर 178.8 रुपए से बढ़कर 181.7 रुपए हुआ

टेलिकॉम कंपनियों के प्रदर्शन को मापने के लिए ऐवरेज रेवेन्यू पर यूजर (एआरपीयू) का इस्तेमाल होता है। एक साल पहले की तुलना में जियो का एआरपीयू 178.8 रुपए से बढ़कर 181.7 रुपए प्रति यूजर प्रति माह हो गया है। Q4 FY24 में जियो ने 1.09 करोड़ सब्सक्राइबर जोड़े। शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 13% बढ़कर 5,337 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल समान तिमाही में 4,716 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था। वहीं तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 5,208 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर मुनाफा 2.5% बढ़ा है। चौथी तिमाही में कंपनी की आय सालाना आधार पर 11% बढ़कर 25,959 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 23,394 करोड़ रुपए रही थी। वहीं पिछली तिमाही में आय 25,368 करोड़ रुपए रही थी। यानी, आय तिमाही आधार पर 2.3% बढ़ी है।

2. रिलायंस रिटेल: चौथी तिमाही में 1,840 स्टोर खोले, कुल स्टोर 18,836 हुए

रिलायंस रिटेल ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1.56 करोड़ वर्ग फीट के ग्रॉस एरिया एडिशन के साथ 1,840 नए स्टोर खोले। कुल स्टोर की संख्या बढ़कर 18,836 हो गई है, जो 7.91 करोड़ वर्ग फीड के क्षेत्र को कवर करती है। सॉफ्टड्रिंक ब्रांड कैम्पा कोला का अधिग्रहण रिलायंस के लिए सही रणनीति साबित हो रही है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की बिक्री में इस ब्रांड ने करीब 400 करोड़ रुपए का योगदान किया है। ये कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स की एफएमसीजी यूनिट है। रिलायंस रिटेल की आय 10.7% बढ़कर ₹76,683 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में ₹69,288 करोड़ थी।

3. रिलायंस ऑइल टू केमिकल: सालाना आधार पर रेवेन्यू में 11% की बढ़ोतरी

O2C सेगमेंट ने चौथी तिमाही में साल-दर-साल आधार पर आय में 11% की बढ़ोतरी दर्ज की है। चौथी तिमाही में ये ₹1,42,634 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, Q4FY23 में ₹1,28,633 करोड़ आय रही थी।

सेगमेंट के भीतर, ऑइल एंड गैस की आय ₹6,468 करोड़ रही। एक साल पहले की समान तिमाही में ये ₹4,556 करोड़ रुपए रही थी। यानी सालाना आधार पर इसमें 42% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं पिछली तिमाही में आय 6,719 करोड़ रही थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने कहा कि ग्लोबल लेवल पर फ्यूल की मजबूत मांग और दुनिया भर में रिफाइनिंग सिस्टम में लिमिटेड फ्लेक्सिबिलिटी ने O2C सेगमेंट के मार्जिन और प्रॉफिटेबिलिटी को सपोर्ट किया है।

रेवेन्यू 10 लाख करोड़ रुपए के पार, पिछले साल 9.74 लाख करोड़ रुपए था

FY24 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 10 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है। एक साल पहले यानी FY23 में ये 9.74 लाख करोड़ रुपए था। यह प्री-टैक्स प्रॉफिट में 100,000 करोड़ रुपए की सीमा पार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। पिछले साल की इसी तिमाही में टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने के कारण टैक्स एक्सपेंसेज सालाना आधार पर 138.8% बढ़कर 6,577 करोड़ रुपए हो गया।

मौसम बढ़ाएगा महंगाई?

आरबीआई को सता रही ये चिंता...

कहा- वैश्विक तनाव से दोहरा संकट

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक को एक बड़ी चिंता सता रही है, जिसका जिक्र केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को जारी अपने बुलेटिन में किया है। ये चिंता है महंगाई बढ़ने की, जी हां रिजर्व बैंक ने अपने बुलेटिन में कहा है कि मौसम की प्रतिकूल स्थिति महंगाई का जोखिम बढ़ा सकती है। यही नहीं इसमें दोहरी मुसीबत के बारे में बताया गया है। एक तो मौसम से महंगाई में इजाफा और दूसरा कच्चे तेल में बढ़ोतरी का खतरा।

ऐसे पड़ सकती है महंगाई की दोहरी मार!

आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, खराब मौसम से मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ने की आशंका है। अप्रैल बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में केंद्रीय बैंक ने कहा है कि मौसम की खराब स्थिति मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा करने वाली साबित हो सकती है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव भी कच्चे तेल की कीमतों को अस्थिर रख सकता है। ऐसे में महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

अभी ईरान-इजरायल वार से बेअसर है क्रूड ऑयल

गौरतलब है कि पहले रूस और यूक्रेन, फिर इजरायल और हमास, इसके बाद अब इजरायल और ईरान के बीच तनाव और संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतों के अस्थिर होने का खतरा बढ़ा है और आरबीआई ने भी इसे लेकर चिंता जाहिर की है। हालांकि, Iranf-Israel War का कच्चे तेल की कीमतों पर फिलहाल तक को कोई बड़ा असर नहीं दिखा है, लेकिन रिजर्व बैंक को चिंता है कि अगर तनाव लंबा खिचा तो Crude Oil की कीमतों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में ब्रेंट क्रूड का भाव 86.52 डॉलर प्रति बैरल और WTI Crude 81.37 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। हालांकि, इस युद्ध का शुरूआती असर सोने की कीमतों में जरूर देखने को मिला था और ये कुछ ही दिनों में 73,000 के आंकड़े को पार कर गई थी। हालांकि, दोनों देशों के बीच तनाव कम होने के संकेतों के चलते सोने के भाव में कमी देखने को मिली है।

देश में अभी खुदरा महंगाई की स्थिति

भारतीय रिजर्व बैंक अपनी हर हो महीने में होने वाली मौद्रिक नीति पर पहुंचते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर फोकस रखता है। मार्च महीने में पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर पहुंची है, जो कि इससे पिछले दो महीनों में औसतन 5.1 फीसदी पर बनी हुई थी। महंगाई दर में गिरावट के चलते फरवरी 2023 से ही रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों को 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा है। अपने अप्रैल बुलेटिन में आरबीआई ने आगे कहा है कि साल 2024 की पहली तिमाही में वैश्विक विकास की गति बरकरार है और ग्लोबल बिजनेस के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक हो रहा है। हालांकि, रिजर्व बैंक ने अपने बुलेटिन में कहा है कि लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और केंद्रीय बैंक इन विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

एवरेस्ट कंपनी बोली- हमारे मसाले सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग में बैन नहीं

नई दिल्ली

भारतीय मसाला ब्रांड एवरेस्ट ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में अपने प्रोडक्ट्स बैन होने के रिपोर्टों का खंडन किया है। कंपनी ने कहा कि किसी भी देश में एवरेस्ट मसालों पर बैन नहीं है। हमारे सभी प्रोडक्ट्स सेफ और हाई क्वालिटी के हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हांगकांग के अलर्ट के बाद सिंगापुर ने जांच के लिए हमारे मसालों को अस्थायी रूप से होल्ड किया है। 60 में से सिर्फ एक प्रोडक्ट को जांच होगी। दरअसल, सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा लिमिट से ज्यादा होने की जानकारी दी थी। इससे कैंसर होने का खतरा रहता है। दोनों देशों ने इनके 4 प्रोडक्ट्स को बाजार से हटाने का आदेश दिया था। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

भारत सरकार ने सभी मसालों की जांच के आदेश दिए

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में मसालों को लेकर विवाद के बाद भारत सरकार ने भी फूड कमिश्नर्स से सभी कंपनियों के मसालों का सैंपल कलेक्ट करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि देश के सभी फूड कमिश्नर्स को इस मामले को लेकर अलर्ट कर दिया गया है। मसालों के सैंपल कलेक्शन की प्रोसेस शुरू कर दी गई है। तीन से चार दिनों में एमडीएच और एवरेस्ट समेत देश की सभी कंपनियों की मसाला मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स से सैंपल्स कलेक्ट कर लिए जाएंगे। इनकी लैब रिपोर्ट करीब 20 दिनों में आएगी।

हानिकारक तत्व होने पर कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी

भारत में फूड आइटम्स में एथिलीन ऑक्साइड के इस्तेमाल पर बैन है। भारतीय मसालों में हानिकारक

तत्व पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आपराधिक कार्यवाही का भी प्रावधान है। सरकार ने मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तहत स्पाइस बोर्ड से अपील की है कि वह जागरूकता फैलाए कि उत्पादों में कोई हानिकारक तत्व नहीं मिलाया जाना चाहिए।

पहले भी होती रही है सैंपलों की टेस्टिंग, इस बार ज्यादा सैंपल कलेक्ट करेंगे

सूत्रों ने ये भी कहा कि वे हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर की घटनाओं से पहले भी सैंपलों की टेस्टिंग कर रहे थे। दावा किया कि अब तक भारतीय बाजार में उपलब्ध विभिन्न ब्रांडों के मसालों में कोई हानिकारक तत्व नहीं पाए गए हैं। यह सैंपल लेने की एक सतत प्रक्रिया है। इस बार हम पहले जो भी सैंपल ले रहे थे, उससे कहीं अधिक तेजी और अधिक संख्या में सैंपल लेंगे।

कीटनाशक है एथिलीन ऑक्साइड, इससे कैंसर का खतरा

स्पाइस बोर्ड एथिलीन ऑक्साइड को 10.7 सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर ज्वलनशील, रंगहीन गैस के रूप में परिभाषित करता है। यह कीटाणुनाशक, स्टरलाइजिंग एजेंट और कीटनाशक के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज करने और मसालों में माइक्रोबियल कंटेमिनेशन को कम करने के लिए किया जाता है।

महंगाई पांव पखराई में भी नहीं देते चांदी की पायल, बिछुए और करधनी

सोने और चांदी के बढ़े भावों ने घटा दिया सराफा का 40 प्रतिशत कारोबार

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सोना और चांदी के बढ़े हुए भाव ने सराफा बाजार का व्यापार 40 प्रतिशत तक घटा दिया है। अब केवल सहालगी कारोबार ही हो रहा है जो कि बहुत ही कम है। किसी समय दूल्हा-दुल्हन की पांव पखराई और व्यवहार में नजदीकी लोगों द्वारा सोना-चांदी तक के गहने दिए जाते थे जो अब बंद हो चुके हैं। अब केवल नगदी देकर ही काम चलाया जा रहा है। अब मई और जून में सहालगी सीजन नहीं होने के कारण सराफा का कारोबार काफी प्रभावित होने वाला है जिसको लेकर कारोबारी चिंतित बने हुए हैं।

सराफा बाजार में इस समय स्टेण्डर्ड सोना 76200 रुपए प्रति दसग्राम तो चांदी 85300 रुपए किलो हो गई है। जेवराती 69800 रुपए का दसग्राम है जिसमें मेकिंग चार्ज अलग से

जुड़ा हुआ है। दामों के इतने बढ़ने से आमजन ने इसकी खरीदारी से दूरी बना ली है। क्योंकि सोना और चांदी को खरीदना इनके बूते की बात नहीं है। दूसरी बात यह है कि इनको पहनना भी खतरनाक है। वहीं इनके दामों के बढ़ने के कारण निवेशक भी इसमें निवेश करने से कतराने लगे हैं।

मई और जून में नहीं सहालग

अप्रैल माह में 22, 23, 24, 25 और 26 का थोड़ा बहुत ही सहालग बचा हुआ है। इसके बाद मई और जून में शुक्र अस्त होने से विवाह का कोई योग नहीं है। जुलाई माह में 09, 10, 11, 12, 13, 14, 15 और 16 का सहालग है। इसके बाद 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, इसके बाद चार माह तक मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। इस लिहाज से सोना और चांदी के बढ़े हुए दाम व्यापार की दृष्टि से सराफा बाजार के लिए अच्छे नहीं है।

इनका कहना है

'वैश्विक स्तर पर बनी परिस्थितियों के कारण सोने-चांदी के दाम बढ़े हुए हैं। जब कोई वस्तु अधिक महंगी हो जाती है तो इसकी बिक्री कम हो जाती है। यही हाल सोना और चांदी का है। लोग इसे खरीदने में दिलचस्पी कम ही ले रहे हैं।'

पुरुषोत्तम जैन
अध्यक्ष, सराफा बाजार

'मार्च और अप्रैल व्यापार की दृष्टि से निल रहा। आगे भी कोई उम्मीद नहीं है। मात्र थोड़ी-बहुत सहालगी खरीदारी रह गई है। जो लोग व्यवहार के लिए चांदी की पायल, बिछुए और करधनी लेते थे उन्होंने भी लेना बंद कर दिया है। इसलिए हम भी कम मंगाते हैं। सोने-चांदी के दामों ने व्यापार को 40 प्रतिशत तक घटा दिया है।'

गौरव गोयल, स्वर्ण कारोबारी

मार्केट वैल्यू में मदद मिलेगी

कद्र सरकार पांच सरकारी बैंकों में हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के 5 बैंकों में अपनी हिस्सेदारी घटाने की तैयारी शुरू कर दी है। वित्त वर्ष 2017 से 2022 के बीच सरकार ने इन सभी बैंकों में काफी पूंजी डाली थी। इसके चलते बैंकों की बड़ी हिस्सेदारी सरकार के पास है। सरकार विनिवेश करके इन बैंकों का एनपीए कम करने की कोशिश करेगी ताकि इनकी बैलेंस शीट सुधारी जा सके। सरकार जल्द ही सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक में अपनी हिस्सेदारी कम कर सकती है। इस विनिवेश के जरिए सरकार मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियम का भी पालन सुनिश्चित कर सकेगी।

नियम की डेडलाइन अगस्त

मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियमों के अनुसार, किसी भी कंपनी को लिस्टिंग के 3 साल के अंदर मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग 25 फीसदी करनी होती है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी है कि इन सभी 5 बैंकों के लिए एमपीएस नियम का पालन करने के लिए अगस्त, 2024 तक अक समय है। इसलिए सरकार इससे पहले ही इन बैंकों में अपनी हिस्सेदारी घटा सकती है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017